वन महोत्सव का आयोजन

एक पौधा माँ के नाम

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम **"एक पौधा माँ के नाम"** पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी होता है। वन महोत्सव के अन्तर्गत केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आँवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि. हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आशीष कुमार, सांचिली वर्मा, कुलदीप चौहान, स्वाति प्रिया, राहुल निषाद, दर्शिता रावत तथा प्रीतम आदि शोध अध्येताओं ने भी एक–एक पौधा रोपित किया।

LiFE
Lifestyle for Environment

वन महोत्सव

दिनांक - 5 जुलाई 2024

कार्यक्रम स्थल

केन्द्रीय पौधशाला पड़िला, प्रयागराज

भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

स्थान :- 3/1, लाला लाजपत राय रोड, नया कटरा, प्रयागराज

LiFE
वन महोत्सव
दिनांक - 5 जुलाई 2024

LiFE
दिनांक - 5 जुलाई 2024

LiFE
दिनांक - 5 जुलाई 2024
कार्यक्रम स्थल

LiFE
वन महोत्सव
कार्यक्रम स्थल
VANS

वन महोत्सव का आयोजन

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम ङ'एक पौधा माँ के नाम'ङ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान

पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आशीष, सांचिली, कुलदीप, स्वाती, राहुल, दर्शिता, प्रीतम आदि ने एक-एक पौधारोपित किया।

वन महोत्सव आयोजित

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम 'एक पौधा माँ के नाम' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

वन महोत्सव का हुआ आयोजन

वन महोत्सव का थीम एक पौधा मां के नाम

प्रयागराज । पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम श्एक पौधा माँ के नामश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधारोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आशीष, सांचिली, कुलदीप, स्वाती, राहुल, दर्शिता, प्रीतम आदि ने एक–एक पौधारोपित किया।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की ओर से शुक्रवार को वन महोत्सव के तहत पौधरोपण किया गया। ● हिन्दुस्तान

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की ओर से शुक्रवार को वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम एक पौधा मां के नाम पर प्रकाश डाला।

कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कई प्रजातियों के पौधे लगाए। इसमें मुख्य रूप से महोगनी, गुलमौहर, अमलतास के साथ फलदार जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधे शामिल थे। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, रेतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, आशीष, सांचिली, कुलदीप, स्वाती, राहुल, दर्शिता, प्रीतम आदि मौजूद रहे।

कैंपस में हुआ पौधरोपण : प्रो. राजेंद्र. सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण हुआ। मुख्य अथिति उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. हरेश प्रताप सिंह और मुकेश मिश्र का स्वागत कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने किया।

Van Mahotsav organized

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: ICAR under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India. Like previous years, Van Mahotsav was organized by the Center for Ecological Restoration, Prayagraj, this year too. Center head Dr.

Sanjay Singh, while planting saplings, while highlighting the theme of Van Mahotsav, 'A plant in the name of mother', said that just as mother is important in preserving child's life, similarly trees also have importance in environmental protection. Is. Under the Van Mahotsav, saplings of various species were planted by officers and employees at the Centre's research nursery, Padilla. In the plantation, about 250 plants of Mahogany, Gulmohar, Amaltas along with fruit trees like Jamun, Custard Apple, Mango, Amla etc. were planted respectively. Van Mahotsav was organized successfully under the guidance of senior scientist Alok Yadav. During the festival, senior scientists of the center Dr. Kumud Dubey, Dr. Anubha Srivastava, senior technical officer Dr. S. Ashish, Sanchili, Kuldeep, Swati, Rahul, Darshita, Pritam etc. working in various projects along with D. Shukla, Ratan Gupta, Dharmendra Kumar, Harish Kumar planted one sapling each.

वन महोत्सव का आयोजन

वन महोत्सव के अन्तर्गत पौधरोपण करते हुए

नैनी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम 'एक पौधा माँ के नाम' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पड़िला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आशीष, सांचिली, कुलदीप, स्वाती, राहुल, दर्शिता, प्रीतम आदि ने एक-एक पौधारोपित किया।

वन महोत्सव का आयोजन

विशेष संवाददाता

प्रयागराज, संयम भारत,पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम 'एक पौधा माँ के नाम' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आशीष, सांचिली, कुलदीप, स्वाती, राहुल, दर्शिता, प्रीतम आदि ने एक-एक पौधारोपित किया।

वन महोत्सव का आयोजन

दैनिक अयोध्या टाइम्स

प्रयागराज। (बृजेश केसरवानी) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प. – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा वन महोत्सव का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पौधा रोपित करते हुए वन महोत्सव की थीम श्एक पौधा माँ के नामश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार बाल जीवन के संरक्षण में माता का महत्व होता है, वैसे ही पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों का महत्व भी है। वन महोत्सव के अंतर्गत केन्द्र की अनुसन्धान पौधशाला, पडिला में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपित किया गया। पौधरोपण में क्रमशः महोगनी, गुलमोहर, अमलतास के साथ फलदार यथा जामुन, शरीफा, आम, आंवला आदि के लगभग 250 पौधों का रोपण किया गया। वन महोत्सव का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव के मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महोत्सव के दौरान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत आशीष, सांचिली, कुलदीप, स्वाती, राहुल, दर्शिता, प्रीतम आदि ने एक–एक पौधारोपित किया।